दिव्य तकनीक....

ज़िंदगी में चुनौतियां कम नहीं होतीं। ऐसे में किसी को देखने में परेशानी होती हो या उंगलियां किसी एक जगह पर रुकती न हों या ऐसी ही कोई दूसरी परेशानी हो तो मुश्किलें ज्यादा बढ़ जाती हैं। इन परेशानियों को हिम्मत से हराया जा सकता है। अब ऐसी टेक्नॉलजी और गैजेट्स भी आ गए हैं जो इस लड़ाई में कारगर हथियार साबित हो रहे हैं। पूरी जानकारी दे रहे हैं बालेन्दु शर्मा दाधीच

Imagesbazaar

istock

असिस्टिव और एक्सेसिबल टेक्नॉलजीः यह एक खास तरह की तकनीक है। इसमें असिस्टिव टेक्नॉलजी का मतलब है ऐसे गैजेट्स या फीचर या ऐप्लिकेशन जो शारीरिक और मानसिक परेशानियों से जूझ रहे लोगों की मदद के लिए ही खास तौर पर तैयार किए गए हैं। वहीं एक्सेसिबिलिटी का मतलब है, ऐसी चीजें जो सभी के द्वारा इस्तेमाल की जाती हैं, लेकिन उनमें अलग से कुछ खास फीचर या क्षमताएं जोड़ी गई हैं जो उन्हें इस्तेमाल के काबिल बनाती हैं। इस तकनीक की मदद से कंप्यूटर, मोबाइल फोन, इंटरनेट आदि को सही ढंग से उपयोग करने की आजादी मिलती है। इसका मकसद यह कि डिसेबल्ड लोग भी डिजिटल उपकरणों के साथ पढ़ाई-लिखाई कर सकें, दफ्तरों में काम कर सकें, चैट कर सकें और चाहें तो मनोरंजन भी कर सकें। वे इनकी मदद से सोशल मीडिया पर भी ऐक्टिव रहते हैं और अपनी राय व्यक्त करते हैं।

जिनके लिए एक चुनौती है, इस दुनिया को देखना

अगर किसी को देखने में परेशानी है। पूरी तरह न देख सकते हों या कम दिखता हो तो ऐसी तकनीक हैं जिनसे लोगों को काफी मदद मिलती है।

Laptop या Computer में सेटिंग्स

■ Ease of Access Center

विंडोज में असिस्टिव सुविधाओं का एक समूह मौजूद है जो सेटिंग्स में 'ईज ऑफ एक्सेस सेंटर' नाम की जगह पर दिखाई देगा। यहां पहुंचने के लिए Windows + U दबाएं। चाहें तो सेटिंग्स के जरिए या फिर सर्च बॉक्स में Ease of Access लिखकर दिखने वाले लिंक के जरिए भी यहां पहुंच सकते हैं। यहां पर विंडोज की ऐसी ज्यादातर सुविधाओं के लिंक मौजूद हैं जिनकी जरूरत पड़ सकती है।

■ Narrator

डिस्प्ले और माउस के बिना काम करने वाले लोगों के लिए नैरेटर बेहद उपयोगी है। ईज ऑफ एक्सेस सेंटर में मौजूद नैरेटर न सिर्फ स्क्रीन पर दिखने वाले टेक्स्ट बल्कि कंप्यूटर में उभरने वाले नोटिफिकेशन को भी पढ़कर सुनाता है। दृष्टिहीन और बहुत कमजोर नजर वाले लोग इसका इस्तेमाल करते हैं। इसे ऐक्टिव करने के कई तरीके हैं:

1. Ease of Access Center में दिखने वाले Narrator को दबाएं।
2. टास्कबार के सर्च बॉक्स में Narrator लिखने पर दिखाए जाने वाले लिंक को क्लिक करें।

क्या करता है नैरेटर

नैरेटर टूल एक बॉक्स के रूप में खुलता है जिसे Minimize किया जा सकता है। अब आप जिस दस्तावेज, वेब पेज या विंडो पर काम कर रहे हैं, वहां नैरेटर उपलब्ध होगा। यह पुरुष और स्त्री, दोनों की आवाजों में बोल सकता है और इन आवाजों से किसी एक का चुनाव आप खुद कर सकते हैं।

■ नैरेटर ज्यादातर सॉफ्टवेयरों में मौजूद टेक्स्ट को पढ़कर सुना सकता है, जैसे वर्ड, एक्सेल और पावरपॉइंट। इतना ही नहीं, वह वेबसाइटों की सामग्री को भी पढ़ सकता है।

■ नैरेटर की बहुत-सी कीबोर्ड कमांड हैं जिनका इस्तेमाल करके बहुत तेजी से अपनी इच्छा के लिंक या जगह तक पहुंच सकते हैं।

■ नैरेटर की कमांड के जरिए एमएस वर्ड की फाइल का भी मनचाहे ढंग से इस्तेमाल कर सकते हैं। मसलन, सिर्फ शीर्षकों को सुनना या सिर्फ पैराग्राफ को सुनना, किसी शब्द की स्पेलिंग सुनना या फिर पूरी की पूरी फाइल के टेक्स्ट को सुनना।

नैरेटर के प्रमुख कमांड्स

■ **नैरेटर को शुरू या बंद करें: Windows + Enter**

■ **नैरेटर की सारी कमांड्स जानने के लिए: Caps Lock + F1**

Scan Mode

नैरेटर में स्कैन मोड भी आता है, इसके कमांड्स ज्यादा आसान हैं। इसे ऐक्टिव करने के लिए Caps Lock + Space बटन दबाएं। स्कैन मोड ऐक्टिव होने पर की-बोर्ड के अप-डाउन और लेफ्ट-राइट बटनों के जरिए ही अपने दस्तावेजों में आगे-पीछे बढ़ सकते हैं। अगर कोई बटन, लिंक आदि दबाना चाहे या कोई ऐप्लिकेशन खोलना चाहे तो स्पेस बटन या एंटर बटन का इस्तेमाल कर सकता है।

■ Magnifier

यह टूल स्क्रीन पर दिखने वाली हर चीज को बड़े आकार में दिखाता है, भले ही वह टेक्स्ट हो, चित्र हो, विडियो हो या कुछ और। यह ऐसा लगेगा कि जैसे अपने हाथ में एक पावरफुल लेंस लेकर कंप्यूटर की स्क्रीन को देख रहे हैं। अगर किसी की आंखें बहुत ज्यादा कमजोर हैं तो इससे मुश्किलें काफी आसान हो सकती हैं। मैग्निफायर भी नैरेटर की ही तरह विंडोज के Ease of Access Center का हिस्सा है। इसे शुरू करने के तरीकेः

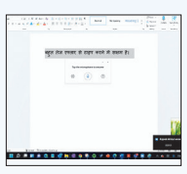

1.Windows + Plus की के जरिए या

2. Control Panel में Ease of Access Center में मौजूद Magnifier लिंक के जरिए या
3. टास्कबार के सर्च बॉक्स में Magnifier लिखें। अब दिखने वाले लिंक को क्लिक करें।

मैग्नीफायर के तीन अलग-अलग रूप हैं

■ Full Screen Mode: इ इस मोड में कंप्यूटर की पूरी स्क्रीन का आकार बड़ा करके दिखाया जाता है।

■ Lens Mode: इस मोड में स्क्रीन पर चौकोर आकार का एक लेंस दिखता है और आपका माउस स्क्रीन पर जहां-जहां जाता है, उस हिस्से को लेंस के भीतर बड़े आकार में दिखाया जाता है। आप चाहें तो लेंस का आकार घटा-बढ़ा सकते हैं।

■ Docked Mode: इसका मतलब एक ऐसे लेंस से है जो स्क्रीन के एक तरफ चिपका (डॉक्ड) रहता है- ऊपर, नीचे, दाएं या बाएं। माउस करसर के आसपास मौजूद टेक्स्ट या चित्रों को बड़े आकार में दिखाया जाता है।

टिप: अगर आप सामने दी गई चीजों को और बड़ा या छोटा करना चाहते हैं तो Windows + Plus या Windows + Minus बटन का प्रयोग करें।

■ High Contrast

कलर ब्लाइंडनेस का शिकार लोगों या बहुत कमजोर नजर वाले लोगों को ज्यादा रंगीन या विविधतापूर्ण तस्वीरों को देखने में तकलीफ होती है। विंडोज में हाई कंट्रास्ट का प्रयोग कर अपनी स्क्रीन को गिने-चुने सामान्य रंगों या ब्लैक एंड वाइट तक सीमित कर सकते हैं और उनके काम करने के लिए अनुकूल माहौल बना सकते हैं। हाई कंट्रास्ट को ऐक्टिव करने के लिए इस तरह आगे बढ़ेः

1. Windows + U की दबाकर Ease of access पर जाएं।
2. वहां लेफ्ट साइड में मौजूद High Contrast लिंक पर क्लिक करें।
3. अब खुलने वाली विंडो में Choose a theme शीर्षक के नीचे दिए बॉक्स को क्लिक करें। इसमें कई विकल्प दिखाए जाएंगे, जिनमें से अपनी सुविधा के लिहाज से कोई एक थीम चुनें।

ये थीमें हैंः हाई कंट्रास्ट नंबर 1, हाई कंट्रास्ट नंबर 2, हाई कंट्रास्ट ब्लैक और हाई कंट्रास्ट व्हाइट। थीम चुनने के बाद Apply बटन दबाएं।

4. कंप्यूटर स्क्रीन के रंग तुरंत उस थीम के हिसाब से बदल जाएंगे।

■ Mouse: : जिनकी नजरें कमजोर हैं, उन्हें माउस का कर्सर देखने या उसकी रफ्तार को समझने में दिक्कत आ सकती है, ऐसे लोग पहले Windows + U दबाएं, फिर लेफ्ट साइड में मौजूद Mouse में जाकर अपनी जरूरत के हिसाब से माउस कर्सर का आकार बढ़ा-घटा सकते हैं या उसकी मोटाई को भी बदल सकते हैं। वे चाहें तो जहां रंगीन माउस का चित्र दिया गया है वहां से किसी रंग का चुनाव कर सकते हैं। तब माउस पॉइंटर का आकार बड़ा होने के साथ-साथ रंगीन भी दिखाई देगा। इससे माउस पाइंटर को पहचानना आसान हो जाएगा।

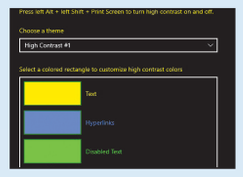

■Cursor: जैसे आपने माउस पाइंटर का आकार बढ़ाया उसी तरह से टेक्स्ट करसर को भी मोटा या पतला किया जा सकता है और उसका रंग बदला जा सकता है। इसके लिए Ease of Access Center में लेफ्ट साइड में Cusor' बटन पर क्लिक करें। अब वहां नीचे दिए स्लाइडर को राइट साइड में जितना बढ़ाएंगे, टेक्स्ट करसर की मोटाई उतनी ही बढ़ जाएगी।

■ Office Theme: कलर ब्लाइंडनेस से पीड़ित लोगों को स्क्रीन का सफेद रंग परेशान कर सकता है। वे वर्ड, एक्सेल या पावरपॉइंट जैसे सॉफ्टवेयरों के इंटरफेस और वर्क एरिया का रंग बदलने के लिए थीम का इस्तेमाल कर सकते हैं। उन्हें स्लेटी रंग की थीम काफी अनुकूल महसूस होगी। पूरी थीम न बदलना चाहें तो आप सिर्फ बैकग्राउंड कलर भी बदल सकते हैं। ऑफिस के नए संस्करणों (ऑफिस 365, ऑफिस 2016, ऑफिस 2019 और ऑफिस 2021) में इन सुविधाओं को ऐक्टिव करने के लिए File > Account > Office Theme या Office Background में जाएं और मनचाहे रंग को चुन लें।

■ Keyboard शॉर्टकट: कोई भी ऑफिस ऐप्लिकेशन (वर्ड, एक्सेल, पावरपॉइंट आदि) खोलकर अपने कंप्यूटर की Alt की को कुछ पल के लिए दबाएं। ऑफिस के रिबन मेनू में कुछ अक्षर हाइलाइट होकर दिखाई देंगे। ये की-बोर्ड शॉर्टकट हैं जिनका इस्तेमाल Alt की के साथ करते हुए माउस के बिना भी काम कर सकते हैं। जैसे M की को दबाएंगे मार्जिन ऑप्शन खुल जाएगा।

मोबाइल में Settings

iPhone या iPad में

इसके Accessibility सेक्शन में कुछ दूसरे फीचर भी मिलेंगे, जैसे जूम करने की सुविधा, डिस्प्ले और टेक्स्ट साइज को कस्टमाइज करने की सुविधा, मोशन को कंट्रोल करने की सुविधा ताकि स्क्रीन पर आने वाले तेज रफ्तार एनिमेशन आपको परेशान न करें।

यहां पर वॉयस ओवर नाम का स्क्रीन रीडर उपलब्ध है। इसे ऐक्टिव करने के लिए: पहले Settings में और फिर थोड़ा नीचे स्क्रॉल करके Accessibility में जाएं। अब VoiceOver पर क्लिक करें। नई विंडो में दिखने वाले ऑन-ऑफ बटन को टैप करके वॉयस ओवर को ऐक्टिव कर लें।

अगर उसे बंद करना हो तब भी यही प्रक्रिया अपनाएं। जल्दी-जल्दी डबल टैप करके ऑन-ऑफ बटन को ऑफ कर दें।

Seeing AI:

यह माइक्रोसॉफ्ट का ऐप्लिकेशन है, हालांकि जिसे सिर्फ आईफोन और आईपैड के लिए जारी किया गया है, एंड्रॉयड मोबाइल के अभी नहीं। यह दृष्टिहीनों के लिए एक तरह से कैमरे का काम करता है जो कुछ भी मोबाइल के कैमरे के सामने हो, उसके बारे में बोल कर बताता है। यह आपके दस्तावेजों को पढ़ सकता है। आसपास मौजूद लोगों के बारे में बता सकता है, करंसी नोट पहचान सकता है, हैंडराइटिंग भी पढ़ सकता है, रंगों को पहचान सकता है, बार कोड पढ़कर डिस्क्रिप्शन सुना सकता है और आपके आसपास के माहौल के बारे में भी जानकारी दे सकता है। कम नजर वालों के लिए यह बेहद उपयोगी है। इसे इस्तेमाल करने के लिए: ऐप स्टोर पर जाकर सर्च में Seeing AI ऐप सर्च करें। ऐप मिल जाने पर इंस्टॉल करें। अब ऐप को खोलें और उसमें दिए गए बटनों का इस्तेमाल करें। अगर कोई दस्तावेज पढ़ना है तो शॉर्ट टेक्स्ट बटन दबाएं। ऐप उस दस्तावेज को पढ़कर सुनाने लगेगा। इससे काफी मदद मिल जाती है।

Android मोबाइल में

जिस तरह विंडोज में नैरेटर से स्क्रीन रीडर आता है उसी तरह से एंड्रॉयड में 'टॉक बैक' नामक सुविधा उपलब्ध है। यह आपकी स्क्रीन पर मौजूद टेक्स्ट और तस्वीरों के बारे में बोलता है।

1. Talk Back चालू या बंद करने के लिए:

■ अपने स्मार्टफोन में Settings खोलें (किसी-किसी मोबाइल में इसके बाद Additional Settings में जाना होगा)।

■ यहां पर नीचे स्क्रॉल करके Accessibility चुनें और फिर Talk Back।

Talkback बटन को off से on

अब फोन की स्क्रीन को पढ़कर सुनाया जाने लगेगा।

2. एंड्रॉयड पर फॉन्ट का आकार बढाएं:

■ अपने फोन में Settings खोलें।

■ पहले Accessibility और फिर Text and display पर टैप करें

■ Font size पर टैप करें।

3. एंड्रॉयड पर मैग्निफायरः

स्क्रीन पर सभी चीजों को बड़े आकार में देखने के लिए मैग्निफायर का इस्तेमाल करें। इसके लिए Settings में जाएंः पहले Accessibility और फिर Magnification पर टैप करें।

अब इन तीन में से एक को चुनें जिसका बाद में आप एक कमांड के रूप में इस्तेमाल कर सकेंगेः ■ Accessibility Button ■ Hold Volume Keys ■ Triple-Tap Screen। इनमें से जिस विकल्प को आप चुनेंगे, आगे उसका इस्तेमाल करके मैग्निफायर को चालू या बंद कर सकेंगे। बेहतर है कि दूसरा विकल्प चुनें जो आसान है। इसके तहत सिर्फ दोनों वॉल्यूम-की को कुछ सेकंड दबाकर रखना है।

जिन्हें सुनने में है दिक्कत

ऐसे लोग जिन्हें सुनने की परेशानी है, वे कंप्यूटर के संदेशों को ध्वनि संकेतों की जगह टेक्स्ट संदेशों के रूप में देख सकते हैं। मिसाल के तौर पर, जब विंडोज शुरू होती है तो एक खास आवाज आती है। इसी तरह जब किसी डॉक्यूमेंट के प्रिंट होते समय भी ध्वनि संकेत आते हैं। अपने कंप्यूटर पर ध्वनि संकेतों को टेक्स्ट संदेशों में बदलने के लिए इस तरह आगे बढ़ें:

अब जब भी आपके सिस्टम में कोई आंतरिक ध्वनि आएगी तब आपकी स्क्रीन एक बार फ्लैश होगी। आप समझ जाएंगे कि कंप्यूटर में कोई आंतरिक संकेत आया है।

1. Settings> Ease of Access Center>Audio पर जाएं
2. अब Show Audio Alert Visually पर क्लिक करें
3. वहां दिए ऑप्शंस में से किसी एक को चुनें, जैसे Flash the active window

माइक्रोसॉफ्ट Teams में लाइव कैप्शन

अगर आप माइक्रोसॉफ्ट टीम्स पर किसी विडियो कॉल को अटेंड कर रहे हैं तो लाइव कैप्शंस की सुविधा का इस्तेमाल कर सकते हैं। अब लोगों द्वारा कही जाने वाली बातें आपको स्क्रीन पर लिखी हुई दिखेंगी जिन्हें आप पढ़ सकते हैं। इसके लिए ऐसा करें:

■ विडियो कॉल के दौरान राइट साइड ऊपर तीन बिंदुओं वाले सेटिंग्स में जाएं

■ अब खुलने वाले मेनू में लाइव कैप्शंस पर क्लिक करें।

■ लोगों द्वारा कही गई बातें कैप्शन के रूप में स्क्रीन पर दिखाई देने लगेंगी। हर कैप्शन के साथ उसे बोलने वाले व्यक्ति का नाम भी दिखाई देगा।

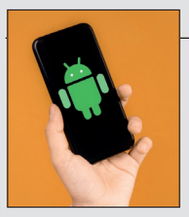

एंड्रॉयड में लाइव कैप्शन

■ अपने वॉल्यूम बटन को दबाएं।

■ अब वॉल्यूम कंट्रोल दिखाई देंगे। इनमें Live Caption Subtitles पर टैप करें।

■ अब आपके स्मार्टफोन में चलने वाले वीडियो के नीचे कैप्शन लिखे हुए दिखाई देने लगेंगे।

हाथों से जुड़ी दिक्कतें होने पर

Dictate

माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस के नए संस्करण या ऑफिस 365 में Home टैब में डिक्टेट बटन दिया गया है। इस पर माइक्रोफोन का निशान बना है। इसे क्लिक करें और बोलना शुरू कर दें। आपकी बातें सामने मौजूद डॉक्यूमेंट में टाइप होने लगेंगी। आप चाहें तो बटन को क्लिक करने के बाद दिखने वाले सेटिंग्स आइकन (गियर) पर क्लिक करके अपनी बोली हुई भाषा को (हिंदी समेत) बदल भी सकते हैं।

On-Screen Keyboard

जिन लोगों की उंगलियां कंपकंपाती हैं या जिन्हें सामान्य की-बोर्ड से टाइप करने में दिक्कत होती है, वे विंडोज में मौजूद ऑन स्क्रीन की-बोर्ड का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह आपकी स्क्रीन पर उभरने वाला की-बोर्ड है, जिसका इस्तेमाल माउस के जरिए टाइप करने के लिए किया जा सकता है। जिन्हें माउस के बटन दबाने में भी दिक्कत होती है, वे इसमें ऐसी सेटिंग्स कर सकते हैं कि किसी की पर माउस को कुछ देर तक स्थिर रखने भर से वह अक्षर टाइप हो जाए। ऑन स्क्रीन की-बोर्ड में एकाध अक्षर टाइप करने पर पूरे शब्द भी सुझाए जाते हैं जो क्लिक करने पर टाइप हो जाते हैं। जाहिर है कि ऑनस्क्रीन की-बोर्ड उनका अच्छा सहयोगी है।

ऑन स्क्रीन कीबोर्ड को इस तरह ऐक्टिव करें

1. Control Panel/Settings में जाकर Ease of Access > Keyboard पर जाएं।
2. अब Turn on On Screen Keyboard पर क्लिक करें।

Sticky Keys: आप जानते हैं कि विंडोज में कंट्रोल, शिफ्ट या ऑल्ट कुंजियों के साथ कुछ सामान्य की-बोर्ड को दबाकर शॉर्टकट कमांड्स दी जा सकती हैं, जैसे कंट्रोल + C से सामने सलेक्ट किए गए टेक्स्ट को कॉपी करना। इसी तरह अंग्रेजी के कैपिटल लेटर्स को टाइप करने लिए पहले शिफ्ट की दबानी पड़ती है और उसके बाद संबंधित अक्षर। कमांड शॉर्टकट के रूप में इस्तेमाल करने के लिए जरूरी है कि इन दोनों कुंजियों को तेज रफ्तार से एक साथ दबाया जाए। लेकिन बहुत से बुजुर्गों और डिसेबल्ड लोगों के लिए यही मुश्किल हो जाता है क्योंकि उनकी उंगलियां बहुत धीमी चलती हैं। स्टिकी कीज नामक फीचर का इस्तेमाल कर आप इस अनिवार्यता से मुक्त हो सकते हैं। तब कंट्रोल, शिफ्ट और ऑल्ट कुंजियों को दबाने के बाद दूसरी कुंजी काफी देर बाद दबाए जाने पर भी कमांड सामान्य तरीके से काम करती है। इसे ऐक्टिव करने के लिए Windows + U > Keyboard में जाकर Sticky Keys को सलेक्ट कर लें।

■ **Toggle Keys:** इस फीचर को सक्रिय करने पर कंट्रोल, शिफ्ट या ऑल्ट कुंजियों के दबाने पर एक टोन सुनाई देती है। इसे ऐक्टिव करने के लिए Windows + U > Keyboard में जाकर Toggle Keys को सलेक्ट कर लें।

Filter Keys: जिनकी उंगलियां कंपकंपाती हैं, टाइप करते समय उनसे एक ही कुंजी के कई बार दब जाने की संभावना रहती है। फिल्टर कुंजी को ऐक्टिव करने पर कंप्यूटर किसी भी अक्षर को सिर्फ एक ही बार टाइप करेगा, बार-बार नहीं।

ऑटिजम / डिस्लेक्सिया

ऑटिज्म में बच्चों के लिए समझना, पढ़ना-लिखना, बोलना मुश्किल होता है। डिस्लेक्सिया में लिखी हुई या टाइप की हुई चीजें सही दिखाई नहीं देतीं। ऐसी ही कुछ और विकलांगताएं भी हैं जो मस्तिष्क के विकास, स्वभाव या सामाजिकता से जुड़ी हुई हैं। ऐसे लोगों के लिए भी तकनीक में अनेक सुविधाएं मौजूद हैं।

Immersive Reader:

नए ऑफिस ऐप्लिकेशनों, माइक्रोसॉफ्ट टीम्स, वन नोट और एज ब्राउजर आदि में कलर ब्लाइंडनेस और कमजोर नजर वाले लोगों की सुविधा के लिए इमर्सिव रीडर सुविधा दी गई है। इसे ऐक्टिव करने पर आपकी स्क्रीन पर सिर्फ टेक्स्ट रह जाता है और मेन्यू आदि स्क्रीन से हटा लिए जाते हैं ताकि कोई भी चीज आपका ध्यान न बंटा सके। इसे ऐक्टिव करने के लिए View > Immersive Reader पर क्लिक करें। अब स्क्रीन पर बहुत छोटी-सी मेन्यू बार रह जाएगी जिसमें सिर्फ File, Tools और View विकल्प दिखेंगे। अगर टेक्स्ट के अक्षर छोटे हैं तो नीचे दाईं तरफ दिए स्लाइडर को आगे खिसकाकर उनका आकार बढ़ाया जा सकता है। याद रहे, इससे मूल टेक्स्ट की फॉर्मेटिंग में कोई फर्क नहीं पड़ता, सिर्फ स्क्रीन पर दिखाने के लिए टेक्स्ट का आकार जूम किया जाता है।

जैसे आप चाहें तो ऐसी कमांड चुन सकते हैं जिससे सिर्फ एक लाइन का टेक्स्ट दिखाई देगा, बाकी सारा छिप जाएगा। । ऐसा इसलिए ताकि आप और भी ज्यादा अच्छी तरह स्क्रीन पर फोकस कर सकें। आप चाहें तो एक की बजाए तीन या पांच लाइनें भी चुन सकते हैं।

एक और फीचर है अक्षरों के बीच या शब्दों के बीच स्पेस को बढाना। जो लोग फिर भी इस टेक्स्ट को न पढ़ पाएं तो यहां पर उपलब्ध टेक्स्ट को पढ़कर सुनाने की सुविधा का इस्तेमाल कर सकते हैं।

हिल-डुल या बोल भी नहीं सकते

माइक्रोसॉफ्ट ने पर्सनल कंप्यूटरों के लिए आई-कंट्रोल नामक सुविधा का विकास किया है जो अपनी आंखों से ही टाइप करने की सुविधा देती है। लेकिन यह सुविधा महज टाइपिंग तक सीमित नहीं है। असल में आप अपनी आंखों से ऐसा ज्यादातर काम कर सकते हैं जो फिलहाल अपनी उंगलियों और माउस के जरिए करते हैं। अगर कोई महज आंखों से देखकर टाइप करना चाहते हैं तो अपने विंडोज-10 कंप्यूटर में इसे एक्टिवेट कर लीजिए। इस सुविधा के लिए एक छोटे-से हार्डवेयर की जरूरत पड़ेगी, जिसे टोबी (Tobii) या आई ट्रैकिंग कहते हैं। यह भारत में भी उपलब्ध है। इसकी कीमत 15 हजार रुपये के लगभग है।

इस हार्डवेयर को डेस्कटॉप या लैपटॉप कंप्यूटर में इंस्टॉल करने के बाद विंडोज के कंट्रोल पैनल में जाना है। यह सिलसिला कुछ यूं चलेगा- Start > Settings > Ease of Access > Eye control पर जाकर Turn on eye control पर क्लिक करें। ऐसा करने पर आपकी स्क्रीन पर लॉन्च पैड ऐक्टिव हो जाएगा। यह स्टार्ट पैनल जैसा ही एप्लिकेशन है जिसमें बहुत सारे आइकन दिखाई देते हैं और किसी आइकन पर कुछ क्षणों के लिए नजरें टिकाकर वही काम कर सकते हैं जो माउस या की-बोर्ड से करते हैं। जैसे विंडोज के स्टार्ट बटन वाले आइकन पर कुछ पल नजर टिकाइए तो स्टार्ट पैनल खुल जाएगा।

कुछ जरूरी गैजेट्स

Smart Cane

आईआईटी दिल्ली ने पूरी तरह या कम दिखने की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए एक स्मार्ट केन (छड़ी) विकसित किया है जो अल्ट्रासोनिक तकनीक का इस्तेमाल करता है और यह तीन मीटर दूर तक मौजूद चीजों के बारे में एक खास वाइब्रेशन के जरिए सचेत कर देता है। सामान्य केन का इस्तेमाल करने वाले दृष्टिबाधित अपने घुटनों तक की ऊंचाई की चीजों को ही छू पाते और समझ पाते हैं लेकिन यह केन उससे ज्यादा ऊंचाई पर आने वाली चीजों, रुकावटों और लोगों के बारे में भी सतर्क कर देता है। इंसान रुकावट के जितना करीब पहुंचता है, वाइब्रेशन उतना ही तेज होता चला जाता है।

Adaptive Controller

माइक्रोसॉफ्ट ने Xbox पर गेम खेलने के शौकीन डिसेबल्ड लोगों के लिए एक एडेप्टर बनाया है यानी कि गेम खेलने के लिए हाथों में इस्तेमाल की जाने वाली डिवाइस। यह बड़े आकार की है जिसमें दो बड़े-बड़े बटन मौजूद हैं। साथ ही इसके कई अटैचमेंट भी आते हैं जिनका इस्तेमाल हाथों, पांवों, कोहनी आदि से भी किया जा सकता है। इनको गेम में कमांड देने के लिए इस्तेमाल किया जाता है, जैसे आगे बढ़ना, पीछे हटना या घूंसा मारना। मतलब यह कि अब आप गेम खेलने के लिए उंगलियों पर निर्भर नहीं हैं बल्कि बहुत-से तरीकों से गेम को कंट्रोल कर सकते हैं।

Braille Reader

तिरुवनंतपुरम में इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नॉलॉजी के छात्रों ने एक उपकरण बनाया है जो छपे हुए अक्षरों को ब्रेल लिपि में बदल देता है। इस उपकरण को छपे हुए टेक्स्ट के ऊपर रखा जाता है और उसके बाद इसकी ऊपरी सतह पर ब्रेल के संकेत उभर जाते हैं। जिन्हें देखने में परेशानी है, वे इन संकेतों को अपनी उंगलियों से पढ़ सकते हैं। इसके जरिए किताब या अखबार को भी पढ़ा जा सकता है।

TurnPlus

बेंगलुरु के बिजनेसमैन आनंद कुतरे ने कारों और दूसरे वाहनों को डिसेबल्ड लोगों के अनुकूल बनाने के लिए एक सिस्टम बनाया है जिसका नाम है- टर्न प्लस। इसके तहत कार की सीट में ऐसा मैकेनिजम फिट किया जाता है कि अब वह फिक्स नहीं रहती बल्कि उसे 90 डिग्री के कोण पर घुमाया जा सकता है। सीट को लेफ्ट या राइट साइड घुमाने पर शारीरिक डिसेबिलिटी से प्रभावित इंसान भी उस पर आसानी से बैठ सकता है और फिर सीट को वापस अपनी जगह पर एडजस्ट कर दिया जाता है।